चीनी भाषा के विशेषज्ञ प्रो. हरप्रसाद राय के निधन पर शोकसभा

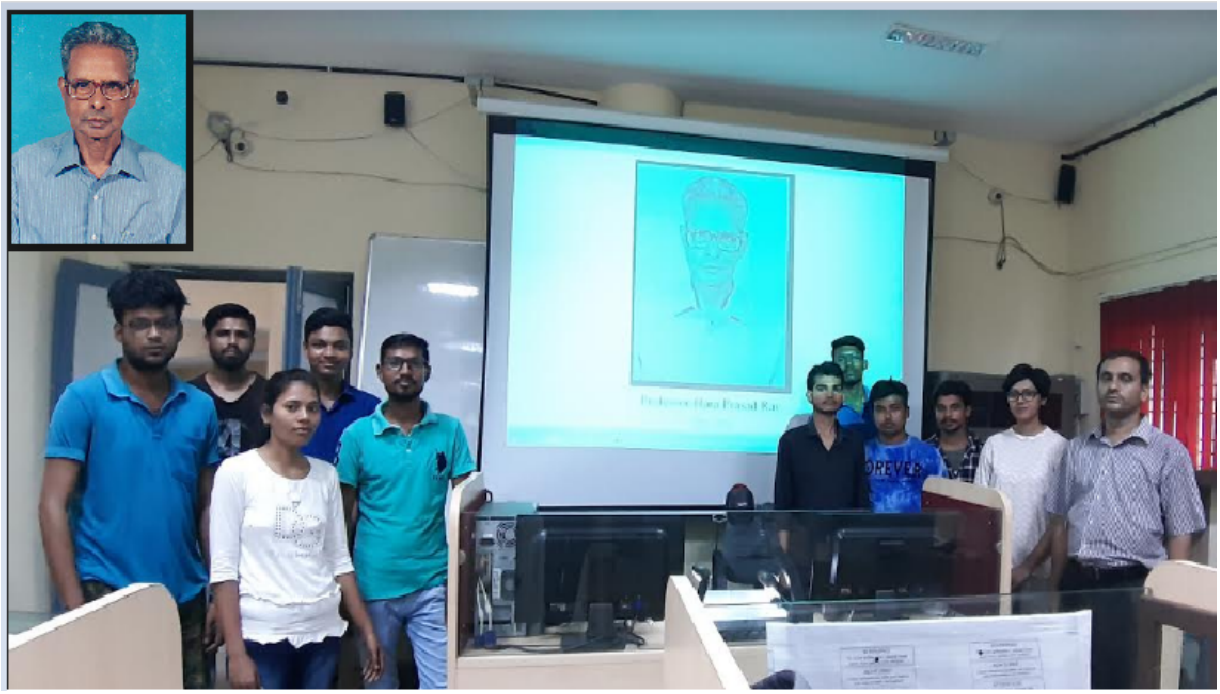

वर्धा, 29 जुलाई, 20019- चीनी भाषा के विशेषज्ञ एवं जे.एन.यू के चीनी विभाग के पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हरप्रसाद राय के निधन पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के चीनी विभाग द्वा रा शोकसभा आयोजित की गई। 89 वर्ष की उम्र में प्रो. हरप्रसाद ने कोलकाता में 21 जुलाई, 2019 को पंचतत्व में विलीन हो गए। प्रो. हरप्रसाद 1996 में जे.एन.यू के चीनी एवं दक्षिण-पूर्वी एशीयाई अध्ययन केंद्र से सेवानिवृत्त हुए थे। उन्होंने सन् 1975 में आचार्य विनोवा भावे की प्रेरणा से भारत में सर्वप्रथम हिंदी माध्यम से चीनी भाषा का पुस्तक 'हिंदी-चीनी प्राईमार' की रचना की। चीनी भाषा के अलावा उन्होंने बंगला, अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, तिब्बती, असमियाँ आदि भाषा के भी वे विद्वान थे। उन्होंने 15 वीं सदी में भारत–चीन के बीच बंगाल से हुई व्यापार एवं कूटनीतिक संपर्क के बारे में शोध कार्य संपन्न किए थे।

1970 के दशक से तकरीबन तीन दशक तक डॉ. हरप्रसाद राय, प्रोफेसर थान चुङ एवं प्रोफेसर याप रहमान ने जेएनयू में चीनी विभाग को एक अलग पहचान दी। उन्होंने मध्यकाल भारत-चीन व्यापार संपर्क, दक्षिण एशियाई विषय संबंधीय अनुवाद कार्य, कुल 12 पुस्तकें एवं साठ से अधिक शोधपत्र उन्होंने प्रस्तुत किया है, यह जानकारी चीनी एवं दक्षिण-पूर्वी एशियाई अध्ययन केंद्र, जेएनयू के प्रोफेसर बी.आर. दीपक ने दी। डॉ. हरप्रसाद एशियाटिक सोसाइटी, भारतीय इतिहास शोध परिषद, रक्षा मंत्रालय के चीनी विभाग से संबद्ध थे। उनके निधन में जे.एन.यू. के चीनी भाषा प्रोफेसर प्रियदर्शी मुखर्जी, विश्वभारती चीन भवन के निदेशक प्रोफेसर अविजित बनर्जी, सिक्किम विश्वविद्यालय चीनी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. धृति राय ने अपना गहरा शोक व्यक्त किया है। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के चीनी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिर्बाण घोष एवं विद्यार्थियों ने डॉ. राय के निधन पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की

- डॉ. अनिर्बाण घोष